©mayurpuri.com

# ख़लिश

मुखड़ा:
ख़लिश सी है ना जाने क्यूँ
ना जाने क्यूँ जाने क्यूँ
है इक साया जिधर देखूँ
जहाँ देखूँ जाने क्यूँ
तारीकियाँ तारी हुई
क्यूँ कोई ना जाने क्यूँ
ख़ामोशियाँ जारी हुई
क्यूँ जानू ना क्यूँ
ख़लिश सी है ना जाने क्यूँ
ना जाने क्यूँ जाने क्यूँ
तारीकियाँ तारी हुई
क्यूँ कोई ना जाने जाने क्यूँ
तारीकियाँ तारी हुई
क्यूँ कोई ना जाने जाने क्यूँ

अंतरा 1:
वो पल मीठे कहाँ बीते
हर इक दर पे आहटें
है पूछो क्या
हर इक दिल में
हर इक दिल में
चाहतें

अंतरा 2:
होता है होता है जो
होने दो हो जाने दो वो यहाँ
ख़्वाबों को जल जाने दो
जाने दो आँखों से ये दो जहाँ
क्या सही क्या नहीं किसको पता यहाँ
क्या भला क्या बुरा क्या पता
ख़लिश सी है ना जाने क्यूँ
ना जाने क्यूँ जाने क्यूँ

©mayurpuri.com